15 August Speech

PDF By: RojgarMetro.Com

(भाषण-1)

आदरणीय अतिथि महोदय, आदरणीय प्रधानाचार्य जी, सभी अध्यापक गण, अभिभावक और मेरे प्यारे दोस्तों जैसा कि आप सभी जानते ही है कि आज हम यहाँ पर अपने देश का 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के उपलक्ष में एकत्रित हुए है। सबसे पहले मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ /देती हूँ। 15 अगस्त भारतवर्ष का राष्ट्रीय पर्व है। भारत देश वर्ष 1857- वर्ष 1947 तक स्वतंत्रता संग्राम लड़ने के पश्चात ब्रिटिश शासन से 15 अगस्त वर्ष 1947 को मुक्त हुआ और एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। तभी से भारतवासी इस दिन को "स्वतंत्रता दिवस" के रूप में बहुत सी धूम-धाम और हर्षोल्लास से मनाते है।

आओ झुककर सलाम करें उन्हें,
जिनकी जिंदगी में मुकाम आया है,
किस कदर खुशनसीब है वो लोग,
जिनका लहू भारत के काम आया है !!

PDF By: RojgarMetro.Com

स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत तब से हुई जब मंगल पांडे नामक क्रांतिकारी को ब्रिटिश शासन के अंग्रेज अधिकारी ने गोली मारी थी। तभी से सम्पूर्ण भारत देशवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई। हमें और हमारे देश को ब्रिटिशों से यह आजादी इतनी आसानी से नहीं मिली है।

देश की आजादी पाने के लिए बहुत से क्रांतिकारी सेनानियों ने बलिदान दिया जैसे कि- महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, मंगल पांडे, बाल गंगाधर तिलक, पंडित जवाहर लाल नेहरू, लोक मान्य तिलक, लाला लाजपत राय और खुदीराम बोस आदि। आजादी की लड़ाई लड़ने के लिए महात्मा गांधी ने सत्याग्रह आंदोलन चलाया और कई बार तो उन्हें जेल भी जाना पड़ा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। क्योंकि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत देश को ब्रिटिश शासन से आजादी दिलाना था और काफी अत्याचार सहने और संघर्ष करने के पश्चात फलस्वरूप वे सफल भी हुए। स्वतंत्रता सेनानीओं के लिए कुछ लाइनें कहना चाहूँगी/ चाहूँगा –

नमन है उन वीरों को जिन्होंने इस देश को बचाया,
गुलामी की मजबूत बेड़ियों को,
अपने बलिदान के रक्त से पिघलाया,
और भारत माँ को आजाद है कराया।

15 अगस्त वर्ष 1947 को भारत के इतिहास को स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया। इसी दिन देश के आजाद होने पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले पर झंडा फहराया था। तभी से प्रत्येक वर्ष देश के प्रधानमंत्री लाल लिखे पर झंडा फहराते है, राष्ट्र गान गाते है और सभी शहीद स्वतंत्रता सेनानियों को 21 तोपों से श्रद्धांजलि दी जाती है।

देश के प्रधानमंत्री हर साल देशवासियों को अपने भाषण के द्वारा सम्बोधित करते है और सेना द्वारा अपना शक्ति प्रदर्शन और परेड मार्च करते है। स्वतंत्रता दिवस के दिन सभी भारतवासियों के मन में देशभक्ति की भावना के साथ-साथ पूर्ण जोश रहता है। आजादी के बाद भारत देश अब तक बहुत उन्नति कर चुका है।
15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन सभी विद्यालय, कॉलिज, संस्थान, बाजार, कार्यालय और कारखाने आदि बंद रहते है।

इस दिन सरकारी छुट्टी होती है। जगह-जगह पर झंडा फहराया जाता है। स्कूलों, कॉलिजों आदि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें सभी छात्र-छात्राएं भाग लेते है और देशभक्ति के गीत गाते है, कोई कविता सुनाता है तो कोई सांस्कृतिक गीतों पर नृत्य करते है।

15 August भारत देश के गर्व और सौभाग्य का दिवस है। यह पर्व हमारे हृदय में नवीन स्फूर्ति, नवीन आशा, उत्साह तथा देश-भक्ति का संचार है। स्वतंत्रता दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हमने कितनी कुर्बानियाँ देकर यह आजादी प्राप्त की है, जिसकी रक्षा हमें हर कीमत पर करनी है। चाहे हमें इसके लिए अपने प्राणों का त्याग क्यों न करना पड़ें। इस प्रकार हम स्वतंत्रता दिवस के पर्व को पूर्ण उत्साह, उमंग और जोश के साथ मनाते है और राष्ट्र की स्वतंत्रता और सार्वभौमिकता की रक्षा का प्रण लेते है। जाते-जाते मैं बस इतना ही कहना चाहूंगी/चाहूंगा कि –

भूल न जाना भारत माँ के सपूतों का बलिदान,
इस दिन ले लिए जो हुए थे हँसकर कुर्बान,
आजादी की खुशियाँ मनाकर लो शपथ ये कि,
बनाएंगे देश भारत को और भी महान।
जय हिन्द !..... जय भारत !.....

(भाषण – 2)

आदरणीय प्राचार्य जी, शिक्षक गण और मेरे प्यारे साथियों आज (15 अगस्त) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम सभी यहाँ पर इकट्ठा हुए है और मुझे आप सभी के समक्ष स्वतंत्रता दिवस के इस शुभ अवसर पर अपने विचार रखने का मौका मिला है, यह मेरा सौभाग्य है। सबसे पहले आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। क्या आप जानते है इस वर्ष भारत का कौन-सा स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है? इस वर्ष भारत का 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है। आज मैं स्वतंत्रता दिवस पर अपने कुछ विचार आपके सामने रखने जा रहा/रही हूँ। शुरुआत करते है कुछ लाइनों से –

जब आँख खुलें तो धरती हिन्दुस्तान की हो,
जब आँख बंद हो टी यादें हिन्दुस्तान की हों,
हम मर भी जाएँ तो कोई गम नहीं....
मरते वक्त मिटटी हिन्दुस्तान की हो।

हमारा भारत देश 200 वर्षों तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहा। देश को आजाद कराने के लिए हमारे देश के बहुत से स्वतंत्रता सेनानीओं जैसे – बाल गंगाधर तिलक, लोक मान्य तिलक, पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी, लाला लाजपत राय, खुदीराम बोस, सुभाष चंद्र बोस और मंगल पांडे आदि ने बलिदान दिए और अत्याचार सहते हुए भी वे देश को आजादी दिलाने के लिए सदैव तत्पर रहें।

वर्ष 1857-1947 तक स्वतंत्रता संग्राम लड़ने के बाद और काफी अत्याचार सहने के बाद 15 अगस्त वर्ष 1947 को हमारा भारत देश ब्रिटिश शासन की बेड़ियों से मुक्त हुआ और सभी भारतवासियों ने आजादी की सांस ली। आज के _स्वतंत्रता दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं शहीद स्वतंत्रता सेनानियों के लिए कुछ शब्द कहना चाहूँगी/चाहूँगा।

फांसी चढ़ गए और सीने और गोली खाई,
हम उन शहीदों को प्रणाम करते है ,
जो मिट गए देश पर,
हम शहीदों को प्रणाम करते है।

प्रतिवर्ष 15 अगस्त को भारत देश के स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है।

हर साल देश प्रधानमंत्री लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते है जिसके बाद राष्ट्रीय गान गाय जाता है, सेना द्वारा परेड मार्च और शक्ति प्रदर्शन किया जाता है और साथ ही स्वतंत्रता सेनानियों को 21 तोपों की सलामी भी दी जाती है। देश के प्रधानमंत्री देश को सम्बोधित करते है। राष्ट्र ध्वज के सम्मान में कुछ लाइन कहना चाहूँगी/चाहूँगा।

दे सलामी इस तिरंगे को,
जिससे तेरी शान है,
सर हमेशा ऊँचा रखना इसका,
जब तक दिल में जान है !!

हमने अंग्रेजों के शासन से आजादी ऐसे ही नहीं मिली है। इस आजादी को प्राप्त करने के लिए हमारे देश के बहुत से स्वतंत्रता सेनानियों ने बलिदान दिया है। हमें सभी शहीद स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों और याद रखते हुए अपने राष्ट्र का सम्मान करते हुए राष्ट्र के सम्मान को बनाये रखने का प्रण लेना चाहिए।

आइये स्वतंत्रता दिवस के इस शुभ दिन पर हम सभी मिलकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाये रखने का प्रण लेते है। कुछ लाइनों के साथ अपनी बात को समाप्त करती/करता हूँ –

आजादी की कभी शाम नहीं होने देंगे,
शहीदों की कुर्बानी बदनाम नहीं होने देंगे,
बची हो जो एक बूँद भी गरम लहू की,
तब तक भारत माता का आँचल नीलाम नहीं होने देंगे।

जय हिन्द !..... जय भारत !.....